एनडी/गेल/सेक्ट/2016 फरवरी 5 , 2016

लिस्टिंग विभाग
बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड
मंजिल 1, पी.जे.टॉवर, दलाल स्ट्रीट,
मुंबई-400 001

प्रिय महोदय,

"ब्रह्मपुत्र क्रेकर एंड पॉलीमर लिमिटेड" से संबंधित प्रेस विज्ञप्ति इसके साथ संलग्न है।
उपर्युक्त आपके सूचनार्थ एवं रिकार्ड कार्रवाई हेतु है।

सधन्यवाद,

भवदीय,

हस्ता.
(एन.के. नागपाल)
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा तथा कंपनी सचिव)
ई-मेल : nknagpal@gail.co.in

संलग्नक : उपरोक्तानुसार

प्रति :

1. लिस्टिंग विभाग
   नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड
   एक्सचेंज प्लाजा, 5वीं मंजिल,
   प्लॉट सं. सी/1, जी ब्लॉक,
   बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व)
   मुंबई-400 051

2. ड्यूश बैंक ए जी, फिलिअले मुंबई
   टीएसएस एण्ड ग्लोबल इक्विटी सर्विसेस
   द कैपिटल, 14वीं मंजिल, सी-70, जी ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स,
   मुंबई-400051

ब्रह्मपुत्र क्रैकर एण्ड पॉलीमर लिमिटेड

प्रेस विज्ञप्ति

माननीय प्रधानमंत्री जी ने बीसीपीएल पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स तथा नुमालीगढ़ में एनआरएल का वैक्स प्लांट राष्ट्र को समर्पित किया बीसीपीएल को लगभग 10,000 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित किया गया है

यह संयत्र 2,80,000 टन प्रतिवर्ष पॉलीमर का उत्पादन करेगा

675 करोड़ रुपए की लागत का वैक्स प्लांट पैराफिन एवं सेमी माइक्रो-सूक्ष्म क्रिस्टलाइन वैक्स तैयार करेगा

लेपेटकाटा (डिब्रूगढ़), फरवरी 5, 2016 : माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आज असम की प्रमुख परियोजना ब्रह्मपुत्र क्रैकर एण्ड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड के वैक्स प्लांट को आज यहां आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित किया ।

माननीय प्रधानमंत्री ने असम के गर्वनर माननीय श्री पद्मनाम बालकृष्ण आचार्य, असम के मुख्यमंत्री माननीय श्री तरुण गोगोई, माननीय केन्द्रीय मंत्री, रसायन एवं उर्वरक, श्री अनंत कुमार, माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा मामले एवं खेलकूद, श्री सर्वदा सोनोवाल, माननीय केन्द्रीय राजमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं पूर्वोत्तर प्रदेश विकास, डॉ. जितेन्द्र सिंह, माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री, रसायन एवं उर्वरक, श्री हंसराज गंगाराम अहिर, माननीय संसद सदस्य, लोकसभा श्री रामेश्वर तेली, माननीय विधान सभा सदस्य, असम, श्री पृथ्वी मांझी और अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में संयंत्रों को राष्ट्र को समर्पित किया ।

बीसीपीएल की अवधारण का जन्म असम गैस क्रैकर परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए हुआ था जो कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र सामाजिक आर्थिक विकास करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वर्ष 1985 में हस्ताक्षरित ऐतिहासिक असम समझौते परिणति है । भारत सरकार ने 18 अप्रैल, 2006 में परियोजना को स्वीकृति प्रदान की थी ।

बीसीपीएल, रसायन एवं उर्वरक विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है । गेल (इंडिया) लिमिटेड 70% इक्विटी भागीदारी के साथ मुख्य प्रवर्तक है और शेष 30% इक्विटी ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल), नुमालीगढ़ रिफाइनरी (एनआरएल) और असम सरकार के पास है ।

लगभग 10,000 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित बीसीपीएल प्लांट की उत्पादन क्षमता 2,80,000 टन प्रतिवर्ष पॉलीमर उत्पादों की है । इसके कारण पूर्वोत्तर क्षेत्र में नई डाउनस्ट्रीम प्लास्टिक प्रोसेसिंग उद्योगों का विकास होगा और साथ ही, देश के अन्य भागों से पॉलीमर आपूर्ति की निर्भरता में कमी आएगी ।

इसने परियोजना कॉप्लेक्स के अंदर ही 700 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और लगभग 2,500 व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष

रूप से रोजगार प्रदान किया है । इसके अतिरिक्त इससे कई डाउनस्ट्रीम प्लास्टिक प्रोसेसिंग उद्योगों एवं सहायक कंपनियों की स्थापना से इस क्षेत्र में लगभग एक लाख व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर की संभावनाएं बनेंगी ।

बीसीपीएल कॉम्प्लेक्स डिब्रूगढ़ से 15 कि.मी. दूर लेपेटकाटा में स्थित है । यह लगभग 3,000 बीघा क्षेत्र में फैला हुआ है जिसका अधिग्रहण असम सरकार ने किया था और बीसीपीएल को प्रदान किया था ।

इस संयंत्रों के लिए फीडस्टॉक प्राकृतिक गैस और नाफ्था है जिसकी आपूर्ति ऑयल इंडिया लिमिटेड, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कार्पोरेशन और एनआरएल करेगा ।

बीसीपीएल प्लांट के निर्माण के दौरान सामने आई कई बड़ी चुनौतियों में परियोजना स्थल पर मिट्टी की भराई क्योंकि यह क्षेत्र निचली भूमि में स्थित था, लंबी अवधि तक मानसून और भारी वर्षा जिसके कारण निर्माण के लिए कम समय मिला और संसाधनों की कमी रही । इन कठिनाइयों के बावजूद प्लांट सफलतापूर्वक कमीशन हो गया है और आज राष्ट्र को समर्पित हो गया है ।

नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड का वैक्स प्लांट : रु. 676 करोड़ की लागत से 50,000 मीटरी टन (एमटी) क्षमता के वैक्स प्लांट को मार्च, 2015 में लगाया गया । यह देश का सबसे बड़ा वैक्स प्लांट है जो आई.आई.पी, देहरादून, ईआईएल और एनआरएल द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकी पर आधारित है । असम के तेल क्षेत्रों से मिलने वाले क्रूड ऑयल में वैक्स की मात्रा अधिक होने का लाभ उठाते हुए प्लांट को उच्च क्वालिटी के पैराफिन और सेमी माइक्रो-क्रिस्टलाइन वैक्स के उत्पादन हेतु डिज़ाइन किया गया है जो कि भारत सरकार के **'मेक इन इंडिया'** अभियान का एक ज्वलंत उदाहरण है । वर्तमान में देश की पैराफिन वैक्स की अधिकांश और माइक्रोक्रिस्टलाइन वैक्स की संपूर्ण वार्षिक मांग विदेशों से आयात कर पूरी की जाती है । एनआरएल के वैक्स प्लांट से घरेलू बाज़ार में सप्लाई की कमी को कम किया जा सकेगा और परिणामत: आयात में कमी होगी । एनआरएल भारत सरकार की एक्ट ईस्ट नीति के तहत वैक्स को पड़ोसी देशों को निर्यात करने की संभावनाओं का भी पता लगा रहा है ।

इस वैक्स प्लांट से सहायक उद्योगों की स्थापना के अवसर खुलेंगे जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों का सृजन होगा । पैराफिन वैक्स का इस्तेमाल मोमबत्ती, तारपोलिन शीट, खाद्य ग्रेड रैपरों को बनाने तथा पाइप मैन्युफैक्चरिंग उद्योगों में किया जाता है जबकि माइक्रोक्रिस्टलाइन वैक्स का व्यापक अनुप्रयोग टायरों के निर्माण, रबड़ उत्पादों, पेंट, पॉलिश, फारम्युटिकल्स और कास्मेटिक में किया जाता है ।